

वदेशी पूंजी प्रवाह और भारत का भुगतान संतुलन

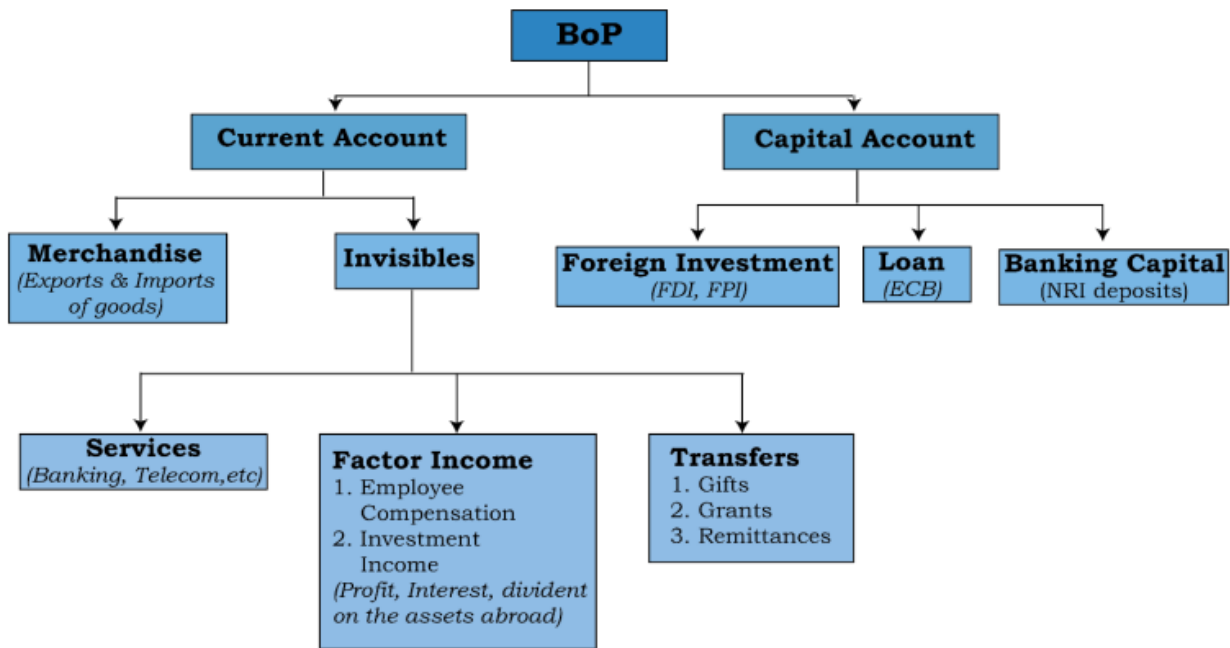
स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारत, विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है, जिसने वर्ष 2021 से 2024 के बीच 8.2% की औसत वार्षिक GDP वृद्धि दर दर्ज की है, जो वियतनाम, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों से आगे है।

- मज़बूत आर्थिक वृद्धि के बावजूद, भारत को कम शुद्ध वदेशी पूंजी प्रवाह का सामना करना पड़ रहा है, जो उसकी भुगतान संतुलन (Balance of Payments) में GDP वस्तु और नवित्तों की भावना के बीच एक अंतर को दर्शाता है।

भुगतान संतुलन क्या है?

- **परिचय:** भुगतान संतुलन एक महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतक के रूप में कार्य करता है, जो भारत एवं शेष विश्व के बीच सभी वित्तीय लेन-देन का विवरण देता है।
 - यह व्यापक खाता बही धन के अंतरवाह और बहर्वाह पर नज़र रखता है, जहाँ अंतरवाह को सकारात्मक एवं बहर्वाह को नकारात्मक के रूप में चिह्नित किया जाता है, जो वैश्विक स्तर पर देश की आर्थिक अंतःक्रियाओं को दर्शाता है।
 - यह वदेशी मुद्राओं के तुलना में रुपये की सापेक्ष मांग को मापता है, जो वनिमिय दरों एवं आर्थिक स्थिरता को विशेष रूप से प्रभावित करता है।
- **BoP के घटक:**
 - **चालू खाता:**
 - **वस्तुओं का व्यापार:** भौतिक आयात एवं निर्यात को ट्रैक करता है, जो व्यापार संतुलन को दर्शाता है। घाटा निर्यात की तुलना में अधिक आयात का संकेत देता है।
 - **सेवाओं का व्यापार (अदृश्य):** इसमें IT, पर्यटन तथा धनप्रेषण जैसे क्षेत्र शामिल हैं, जो व्यापार घाटे के बावजूद भारत के चालू खाता अधिशेष में सकारात्मक योगदान देते हैं।
 - इन दोनों घटकों का शुद्ध योग चालू खाता शेष निर्धारित करता है।
 - **पूंजी खाता:**
 - इसमें प्रत्यक्ष वदेशी निवेश (FDI) तथा वदेशी संस्थागत निवेश (FII) जैसे निवेश शामिल हैं, जो आर्थिक विकास एवं स्थिरता के लिये आवश्यक हैं।
 - पूंजी खाता प्रवाह वाणिज्यिक उधार, बैंकिंग, निवेश, ऋण और पूंजी जैसे कारकों को प्रतबिंबित करता है।



भारत के भुगतान संतुलन (BoP) की वर्तमान स्थितिक्या है?

- **व्यापार घाटा और अदृश्य खाता:** भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है और वर्ष 2024-25 में यह 287.2 अरब डॉलर तक पहुँच गया।
 - हालाँकि, यह "अदृश्य" खाते में अधिशेष के कारण संतुलित रहा है, जो मुख्य रूप से सेवा निर्यात और भारतीय प्रवासी समुदाय से प्राप्त धन के कारण है।
 - इन अधिशेषों ने वस्तु व्यापार घाटे के बढ़ने के बावजूद चालू खाता घाटे (CAD) को प्रबंधनीय बनाए रखने में मदद की है।
- **विकास और निवेश वसिधाभास:** मजबूत आर्थिक वृद्धि के बावजूद भारत को विदेशी निवेश आकर्षित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI) 25.3 अरब अमेरिकी डॉलर था।
 - हालाँकि, भारत ने पिछले वर्षों में महत्वपूर्ण शुद्ध बहिरवाह का अनुभव किया, जैसे वर्ष 2022-23 में 5.1 अरब डॉलर, वर्ष 2024-25 में 14.6 अरब डॉलर और वर्ष 2025-26 में 2.9 अरब डॉलर (5 सितंबर तक)।
 - यह प्रवृत्ति इस वसिधाभास को उजागर करती है, जहाँ भारत का आर्थिक वसितार विदेशी पूंजी प्रवाह के साथ मेल नहीं खाता।
- **नज्जी इक्विटी और उद्यम पूंजी नकिासी:** नज्जी इक्विटी (PE) और उद्यम पूंजी (VC) निवेशों से नकिासी में वृद्धि, नई पूंजी सृजन के बजाय, लाभवसूली और परपिक्व निवेश को दर्शाती है।
 - PE/VC नकिासी का कुल मूल्य वर्ष 2022 में 24 अरब डॉलर, वर्ष 2023 में 29 अरब डॉलर और वर्ष 2024 में 33 अरब डॉलर रहा।
 - विदेशी निवेशक कॉर्पोरेट आय, समग्र व्यावसायिक माहौल और बाज़ार मूल्यांकन को मुख्य GDP वृद्धि आँकड़ों से अधिक प्राथमिकता देते हैं।



➤ **FDI:**

- किसी दूसरे देश में स्थित व्यवसायों और संपत्तियों में विदेशी संस्थाओं/व्यक्तियों द्वारा किया गया निवेश

➤ **FDI के अंतर्वाह हेतु मार्ग :**

■ स्वचालित मार्गः

- ◆ किसी पूर्व सरकारी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है
- ◆ गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 100% तक की अनुमति

■ **सरकारी मार्ग:**

- ◆ कुछ क्षेत्रों में या विशिष्ट सीमा से ऊपर के निवेश के लिये आवश्यक
- ◆ उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) और RBI द्वारा प्रशासित

➤ स्वचालित और सरकारी रूट के माध्यम से स्वीकृति के उदाहरण:

- वीकिंग (निजी क्षेत्र): 49% तक (स्वायत्त) + 49% से ऊपर और 74% तक (सरकारी)
- रक्षा: 74% तक (स्वायत्त) + 74% से अधिक (सरकारी)
- हेल्थकेयर (ब्राउनफिल्ड): 74% तक (स्वायत्त) + 74% से ऊपर (सरकारी)
- दूरसंचार सेवाएँ: 49% तक (स्वायत्त) + 49% से अधिक (सरकारी)

② **विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (FIPB):**

- वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आता है
- FDI प्रस्तावों को संसाधित करने के लिये ज़िम्मेदार - विदेशी निवेश सुविधा पोर्टल (FIFP) द्वारा सुविधा प्रदान की गई
- सरकार की मंजूरी के लिये सिफारिशें करना

① भारत के शीर्ष 5 FDI स्रोत (वित्त वर्ष 2022-23):

- मॉरीशस
- सिंगापुर
- अमेरिका
- नीदरलैंड
- जापान

⦿ FDI आकर्षित करने वाले भारत के शीर्ष क्षेत्र (वित्त वर्ष 2022-23):

- सेवा क्षेत्र
- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर
- व्यापार
- दूरसंचार
- ऑटोमोबाइल उद्योग

⑤ **FPI:**

- वित्तीय संपत्तियों में विदेशी व्यक्तियों, संस्थानों या निधियों द्वारा किये गए निवेश
- फ्लार्ड बाय नाइट या हॉट मनी के नाम से जाना जाता है

➤ महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ:

- स्वामित्व प्राप्त किये बिना वित्तीय संपत्तियों की खरीद होती है
- निष्क्रिय निवेश दृष्टिकोण
- निवेशक लाभांश, ब्याज और पूंजी वृद्धि के माध्यम से रिटर्न अर्जित करते हैं

➤ उदाहरण:

- स्टॉक, बॉण्ड आदि।

① नियामक संस्था:

- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI)

FDI और FPI के बीच अंतर		
विशेषताएँ	FDI	FPI
निवेश की प्रकृति	दीर्घकालिक	अल्पकालिक
उद्देश्य	दूसरे देश में दीर्घकालिक निवेश	निवेश पर त्वरित रिटर्न अर्जित करना
नियंत्रण	महत्वपूर्ण (निवेशित इकाई पर)	नहीं या सीमित नियंत्रण
निवेश	मूर्त संपत्ति (जैसे, कारखाने, भवन)	वित्तीय संपत्ति (जैसे, स्टॉक, बॉण्ड)
रिटर्न्स	लाभ, लाभांश और पूंजी अभिमुख्य	लाभांश, ब्याज, और पूंजी अभिमुख्य
नीति विनियम	सरकार की नीतियाँ और क्षेत्र-विशिष्ट नियम	लचीले नियम और आसान प्रवेश/निकास
अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	रोजगार सृजन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और आर्थिक विकास	अल्पकालिक तरलता प्रदान करता है और शेयर बाजार को प्रभावित करता है



वर्गित वर्ष के परश्न

?????????:

प्रश्न 1. निम्न के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार कीजिये: (2025)

- I. बॉन्ड
- II. परतरिक्षा नधियाँ (हेज फंड्स)
- III. स्टॉक
- IV. जोखमि पैंजी

उपर्युक्त में से कतिनों को वैकल्पिक नविश नधिमाना जाता है?

- (a) केवल एक

(c) केवल तीन

(b) केवल दो

(d) सभी चार

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/foreign-capital-flows-and-indias-balance-of-payments>

